590

संपादक
डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल
डॉ. मीना अग्रवाल

ISSN 0975-735X

UGC APPROVED CARE LISTED JOURNAL

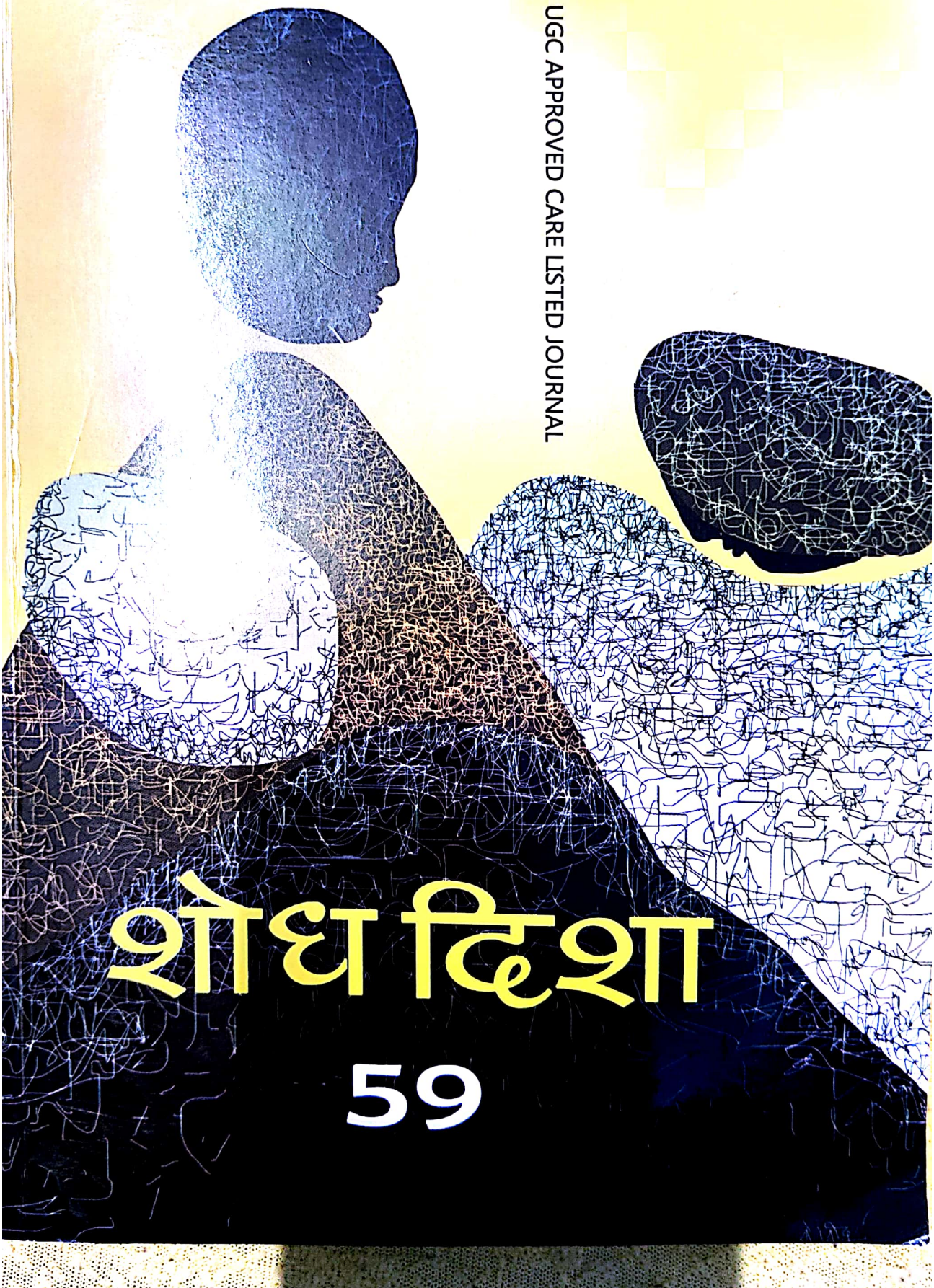

# शोध दिशा

59

Scanned with CamScanner

# शोध दिशा

ISSN 0975-735X

विश्वस्तरीय शोध-पत्रिका

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा से अनुदान प्राप्त

UGC APPROVED CARE LISTED JOURNAL

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त शोध पत्रिका

शोध अंक 59/2 जुलाई-सितंबर 2022 400.00 रुपए



**संपादकीय कार्यालय**
हिंदी साहित्य निकेतन, 16 साहित्य विहार,
बिजनौर 246701 (उ०प्र०)
फोन : 0124-4076565, 09557746346
ई-मेल : shodhdisha@gmail.com
वैब साइट : www.hindisahityaniketan.com

**क्षेत्रीय कार्यालय**

हरियाणा
**डॉ० मीना अग्रवाल**
ए-402, पार्क व्यू सिटी-2 सोहना रोड,
गुड़गाँव (हरियाणा)

दिल्ली एन०सी०आर०
**डॉ० अनुभूति**
सी-106, शिवकला अपार्टमेंट्स
बी 9/11, सेक्टर 62, नोएडा
फोन : 09958070700

(सभी पद मानद एवं अवैतनिक हैं।)

**संपादक**
डॉ० गिरिराजशरण अग्रवाल
07838090732

**प्रबंध संपादक**
डॉ० मीना अग्रवाल

**संयुक्त संपादक**
डॉ० शंकर क्षेम
प्रमोद सागर

**उपसंपादक**
डॉ० अशोककुमार
09557746346
डॉ० कनुप्रिया प्रचण्डिया

**कला संपादक**
गीतिका गोयल/ डॉ० अनुभूति

**विधि परामर्शदाता**
अनिलकुमार जैन, एडवोकेट

**आर्थिक परामर्शदाता**
ज्योतिकुमार अग्रवाल, सी०ए०


**शुल्क**

आजीवन (दस वर्ष): छह हजार रुपए
वार्षिक शुल्क : एक हजार रुपए
यह प्रति : चार सौ रुपए


प्रकाशित सामग्री से संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है। पत्रिका से संबंधित सभी विवाद केवल बिजनौर स्थित न्यायालय के अधीन होंगे। शुल्क की राशि 'शोध दिशा' बिजनौर के नाम भेजें। (सन् 1989 से प्रकाशन-क्षेत्र में सक्रिय)



स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ० गिरिराजशरण अग्रवाल द्वारा श्री लक्ष्मी ऑफसैट प्रिंटर्स, बिजनौर 246701 से मुद्रित एवं 16 साहित्य विहार, बिजनौर (उ०प्र०) से प्रकाशित। पंजीयन संख्या : UP HIN 2008/25034

संपादक : डॉ० गिरिराजशरण अग्रवाल




Scanned with CamScanner

# अनुक्रम


कृषि कानून और किसान आंदोलन/ **प्रीति शर्मा** 11

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय संस्कार/ **डॉ॰ शीतल प्रसाद महेंद्रा** 15

कामकाजी महिलाएँ एवं पारिवारिक संगठन का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (बरेली जिले के विशेष संदर्भ में)/ **विनय कुमार सिंह पटेल** 23

माध्यमिक विद्यालयी शिक्षकों की शिक्षक-प्रभावशीलता का कार्य अभिप्रेरणा से संबंध का अध्ययन/ **ज्योति विजय, डॉ॰ चंद्रकांत शर्मा** 29

नवाबगंज (बरेली) क्षेत्र के स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्र-छात्राओं में समायोजन का अध्ययन/ **डॉ॰ दीबा निशात, श्रीमती विनीता रानी** 34

ऑनलाइन शिक्षण के प्रति माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के विचारों का अध्ययन/ **डॉ॰ अरुणा कुमारी** 38

मुरिया जनजाति की काष्ठकला (बस्तर के विशेष संदर्भ में)/ **डॉ॰ बंसो नुरूटी, पुरोहित कुमार सोरी** 44

सिक्ख धर्म की संगत व लंगर संस्थाओं का कोविड 2019 में महत्त्व/ **डॉ॰ सन्जू चलाना बजाज** 49

आर्यसमाज आंदोलन का सामाजिक क्षेत्र में योगदान/ **मोहित गंगवार** 55

बुंदेलखंड की प्राचीनता/ **धर्मेन्द्र सिंह, डॉ॰ राकेशनारायण द्विवेदी** 62

वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य और गार्डनर का बहु-बुद्धि सिद्धांत/ **मो॰ बाबर खान, प्रो॰ वनजा एम॰** 66

गढ़वाल हिमालय के परंपरागत वाद्ययंत्रों का सांस्कृतिक महत्त्व और संचार में प्रयोग/ **डॉ॰ आरती भट्ट, कमलकिशोर रावत** 72

विवाह-विच्छेद एवं महिलाएँ/ **प्रो॰ अर्चना श्रीवास्तव, ममता आर्या** 80

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में आजाद हिंद फौज का योगदान/ **डॉ॰ पंकज** 88

सिद्धार्थ गौतम की गौतम से बोधिसत्व बुद्ध बनने की यात्रा/ **डॉ॰ पूनम** 93

उराँव पर्व-त्योहार एवं उनका जीवन-दर्शन/ **डॉ॰ पुष्पा कुमारी** 100

रूस-यूक्रेन संघर्ष में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका : एक समीक्षात्मक अध्ययन/ **संतकुमार तिवारी, लक्ष्मी त्रिपाठी** 105

बालश्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986: राजस्थान के संदर्भ में/ **तुलसी राम** 111

ग्रामीण समाज के बदलते आयाम/ **डॉ॰ दिव्या सिंह** 118

ऑनलाइन शिक्षा-पद्धति के प्रति छात्रध्यापकों की अभिवृत्ति का अध्ययन/ **डॉ॰ राजीव कुमार, निरंजन सिंह** 124


ISSN 0975-735X



Scanned with CamScanner

ISSN 2277 - 7083

# आधुनिक साहित्य

Aadhunik Sahitya

साहित्य, संस्कृति एवं आधुनिक सोच की त्रैमासिकी

UGC Approved Care Listed Journal

वर्ष/Year-11 अंक/Vol.-44 द्विभाषी/Bilingual

अक्टूबर - दिसंबर / Oct. - Dec. 2022

संपादक

डॉ. आशीष कंधवे

Scanned with CamScanner

# आधुनिक साहित्य

साहित्य, संस्कृति एवं आधुनिक सोच की त्रैमासिकी

UGC Approved Care Listed Journal

केंद्रीय हिंदी संस्थान के सहयोग द्वारा प्रकाशित

RNI No. DELBIL/2012/42547
ISSN 2277 - 7083

© सर्वाधिकार सुरक्षित
प्रकाशित सामग्री के पुनः उपयोग के लिए लेखक, अनुवादक अथवा आधुनिक साहित्य की स्वीकृति अनिवार्य है।

**संपादकीय कार्यालय**
एडी-94-डी, शालीमार बाग, दिल्ली-110088
फोन : 011-27181521, +91-9811193692
ई-मेल : aadhunksahitya@gmail.com
adhunksahitya@gmail.com

[illegible]

मूल्य : ₹ 500 प्रति अंक

शुल्क : तीन वर्ष (12 अंक) ₹ 6000
पांच वर्ष (20 अंक) ₹ 9000
(डाक व्यय सहित)
आजीवन सदस्यता ₹ 21,000
विदेश के लिए (3 वर्ष) 300 डॉलर

शुल्क 'AADHUNIK SAHITYA' के नाम भेजें।

| | | |
|---|---|---|
| Account Name | : | Aadhunik Sahitya |
| Account No. | : | 16800200001233 |
| Bank | : | Federal Bank Ltd. |
| Branch | : | Shalimar Bagh New Delhi-110088 |
| IFSC Code | : | FDRL0001680 |

'आधुनिक साहित्य' त्रैमासिक आशीष कुमार के स्वामित्व में और उनके द्वारा एडी 94डी, शालीमार बाग, दिल्ली 110088 में प्रकाशित तथा आभा पब्लिसिटी, 163, देशबंधु गुप्ता मार्केट, करोलबाग, नई दिल्ली से मुद्रित। स्वामी/संपादक/प्रकाशक/मुद्रक : डॉ. आशीष कुमार

'AADHUNIK SAHITYA' A quarterly bilingual (Hindi & English) Journal of Literature, Culture & Modern Thinking owned/published/printed/edited by Ashish Kumar from AD-94-D, Shalimar Bagh, Delhi-110088 and printed at Abha Publicity, 163, Deshbandhu Gupta Market, Karolbagh, New Delhi.

Scanned with CamScanner

# अनुक्रम


**संपादकीय**

- डॉ॰ आशीष कंधवे / भारतीय ज्ञान परंपरा : सार्वभौमिक समरसता और समावेशी संतुलन का आधार / 10

**हिंदी प्रभाग**

- अमृत कुमार तिवारी एवं डॉ. दीपक कुमार पाण्डेय / किसान कविता : एक प्रारंभिक पड़ताल / 13
- डॉ. ऐश्वर्या झा / 21वीं सदी हिंदी सिनेमा / 21
- डॉ.वन्दना चतुर्वेदी एवं श्याम सिंह / माध्यमिक स्तर पर किशोर विद्यार्थियों में सुरक्षा-असुरक्षा की भावना का उनके समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन / 24
- डॉ. अमृता कुमारी / स्त्री अस्मिता: चिन्तन के आयाम / 34
- डॉ. कल्पना मिश्रा एवं कु. अंजली खलखो / कठगुलाब उपन्यास के प्रमुख स्त्री पात्रों की व्यथा एवं संघर्ष / 39
- बिनीता मल्ल / मध्य हिमालयीय क्षेत्र जौनपुर के लोकगीत: एक परिचय / 46
- प्रभात कुमार एवं कल्पना देवी / मूर्तिकला में चामुण्डा के विभिन्न स्वरूपों का अंकन-उत्तर भारत के विशेष सन्दर्भ में / 56
- डॉ. बी. एन. जागृत एवं अनवर खान / कैलाश बनवासी की कहानियाँ और भूमंडलीकरण / 70
- डॉ. लालीमोल वर्गिस / हिन्दी सिनेमा में चित्रित नारी के विभिन्न रूप / 74
- प्राचीरंगा / लोककला और संस्कृति के संरक्षण एवं प्रदर्शन में संग्रहालयों की भूमिका / 80
- प्रो. अर्चना श्रीवास्तव एवं ममता आर्या / विवाह विच्छेद का बच्चों पर शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक प्रभाव / 84
- कल्पना जैन / 21वीं सदी के प्रथम दो दशकों के हिन्दी गीतकाव्य में धार्मिक-सांस्कृतिक जीवन-मूल्य / 92
- डॉ. प्रतिभा राणा / आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना और प्रयास / 101
- डॉ. रमेश कुमार वर्णवाल / उत्तर-आधुनिका और उपभोक्तावाद: मृगतृष्णा या वास्तविक सुख की तलाश / 108
- डॉ. मोहनन वीटीवी / रोनाल्ड ई. आशर: अनुवाद चिंतन एवं साहित्यिक गरिमा / 116
- प्रियंका श्रीवास्तव एवं डॉ. रीता सिंह / स्त्री का राजनैतिक प्रतिरोध: स्वरूप एवं संभावनाएं / 121


Scanned with CamScanner

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881; IMPACT FACTOR :7.816(2022); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
Peer Reviewed and Refereed Journal: VOLUME:11, ISSUE:7(5), July: 2022
Online Copy of Article Publication Available (2022 Issues): www.ijmer.in
Digital Certificate of Publication: http://ijmer.in/pdf/e-Certificate%20of%20Publication-IJMER.pdf
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: 2nd July 2022
Publication Date: 10th August 2022
Publisher: Sucharitha Publication, India
DOI: http://ijmer.in.doi./2022/11.07.91

# तीन तलाक़ विधेयक 2019 का मुस्लिम महिलाओं पर प्रभाव

591

**श्वेता बुधवाला**
शोध छात्रा ,समाजशास्त्र विभाग
डी.एस.बी परिसर,
कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल

**डॉ. ज्योति जोशी**
प्रोफेसर,समाजशास्त्र विभाग
डी.एस.बी परिसर,
कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल

**शोध संक्षेप**

'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है' ,समाज में अपने अस्तित्व को बनाए रखने तथा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वो विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से संबंध बनाए रखता है । इस संदर्भ में देखा जाए तो प्रत्येक समाज में विवाह जैविक व सामाजिक प्रकार्यों की पूर्ति हेतु एक आवश्यक संस्था रही है। उद्देश्यों की पूर्ति के आधार पर विभिन्न समाजों में विवाह के विभिन्न स्वरूप प्रचलित रहे हैं। भारतीय समाज में जहाँ हिंदू विवाह को एक धार्मिक संस्कार माना जाता रहा है, वहीं मुस्लिम विवाह एक वैवाहिक समझौता है। 2011 की भारतीय जनगणना के अनुसार मुस्लिम समुदाय सर्वाधिक जनसंख्या वाला अल्पसंख्यक समुदाय है। भारत में इस्लाम धर्म का आगमन 629 ईसवी में हुआ और मुस्लिम भारत की गंगा जमनी तहजीब का भाग बने। मुस्लिम विवाह का स्वरूप समझौता होने के कारण विशेष परिस्थितियों में महिला व पुरुषों को तलाक का अधिकार भी देता है। परंतु सामान्यतः यह अधिकार एक लिंग विशेष का विशेषाधिकार बनकर रह गया। जिसका नकारात्मक प्रभाव मुस्लिम महिलाओं के जीवन पर देखा जाने लगा । न केवल तलाक , बल्कि तलाक के पश्चात् मुस्लिम महिलाओं को अपने ही पति से पुनर्विवाह करने के लिए हलाला जैसी प्रक्रिया से भी गुजरना पड़ता है।इन्हीं नकारात्मक प्रभावों की प्रतिक्रिया स्वरूप तीन तलाक विधेयक 2019 अस्तित्व में आया । प्रस्तुत शोध प्रपत्र का मुख्य उद्देश्य तीन तलाक विधेयक 2019 तथा हलाला के संदर्भ में मुस्लिम महिलाओं की सहमति के स्तर को जानना है। इस सहमति के स्तर को जानने हेतु साक्षात्कार अनुसूची के द्वारा 50 मुस्लिम महिलाओं का अध्ययन किया गया और इसके साथ ही दो व्यक्तिगत अध्ययन भी किए गए।

**संकेत बिंदु** - तीन तलाक, हलाला, मुस्लिम विवाह, तीन तलाक विधेयक।



Scanned with CamScanner

e 2(b)

592

UGC Approved Journal No. 49321
Shodh Drishti (An International Peer Reviewed Refereed Research Journal), Vol. 14, No. 4, April 2023

Impact Factor : 6.125
ISSN : 0976-6650

# लोक चिकित्सकिय पद्धति में कुमाऊँनी जागर : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

**चंदीता आर्या**
शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
**प्रो0 ज्योति जोशी**
समाजशास्त्र विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

**शोध सांराश**

*सामाजिक विकास के प्रमुख सूचकांको में स्वास्थ का विशिष्ट स्थान है। किसी भी राष्ट्र अथवा समाज की प्रगति उसके सदस्यों के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। एक स्वस्थ मनुष्य ही राष्ट्र अथवा समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। स्वास्थ्य से आशय रोग से विमुक्त होना ही नहीं बल्कि उचित सामाजिक समायोजन एवं जनकल्याण से भी है। स्वास्थ्य का दायरा हमेशा संस्कृति के अंतर्गत ही पाया जाता है। संस्कृति में अंतर्निहित विभिन्न सामाजिक संस्थायें, रूढियों, विश्वास, जीवनयापन एवं व्यवहार के मूल्य,सांस्कृतिक मान्यतायें, कर्मकांड, व्यक्ति व समूह की दिनचर्या के निर्णायक एवं निर्धारक तत्व होते हैं, और यही सामाजिक तथ्य स्वस्थ जीवन से लेकर व्यक्तिगत स्थिति तक व्यक्ति की मनोशारीरिक अवस्था, चिंतन और व्यवहार को प्रभावित करते हैं। कुमाऊँनी समाज में आधुनिक उपचार पद्धति के साथ–साथ ही लोक चिकित्सा पद्धति भी समान रूप से प्रचलित रही है और इस संदर्भ मे जागर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जो बीमारी की अवस्था में बहुदा रोगियों का उपचार कराने का कार्य करता है। प्रस्तुत शोध पत्र मे जागर के सन्दर्भ में लोकचिकित्सकीय पद्धति का अध्ययन किया गया है।*

**मुख्य शब्द :** जागर, लोकचिकित्सा, लोकदेवता, धार्मिक विश्वास।

स्वास्थ के सर्वधन व संरक्षण हेतु विभिन्न समाजों में विभिन्न चिकित्सा पद्धति पायी जाती है जिनमें एलोपैथिक, आर्युवेदिक, होमियोपैथिक, परम्परागत लोक चिकित्सा व अन्य चिकित्सा कि पद्धतिया शामिल हैं। **WHO**[1] के अनुसार लोक चिकित्सा **Folk Medicine** कई मानव पीढ़ीयों द्वारा विकसित वे ज्ञान, कौशल और प्रथाओं का कुल योग है जो स्वदेशी और विभिन्न संस्कृतियों ने समय के साथ अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने तथा शारीरिक एंव मानसिक बीमारी को रोकने, निदान और उपचार करने के लिये उपयोग किया है। लोक चिकित्सा के अन्तर्गत क्षेत्र विशेष में प्रचलित झाड़ फूक, टोना टोटका, रोगहारी ओझा, अलौकिक शक्ति जैसी पारम्परिक चिकित्सा कि शैलियों उपलब्ध है, जो कि कई एशियाई और अफ्रीकी देशों कि जनसंख्या के स्वास्थ्य उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। **वैबर**[2] के अनुसार समाज में मानव मस्तिष्क के चिंतन में मानव कि मूल्य उन्मुख तार्किकताओं के साथ ही लक्ष्य उन्मुख तार्किकतायें भी पायी गई है। जिनमें मूल्य उन्मुख तार्किकता के अंतर्गत मानव अपने स्वास्थ के प्रति क्षेत्र–विशेष में प्रचलित झाड़–फूंक, टोना–टुटका, देवी देवताओं एवं आत्माओं में विश्वास के द्वारा लोकचिकित्सकीय पद्धति से उपचार करवाता आया है।[3]

स्वास्थ के संबंध में जब हम लोकचिकित्सकिय पद्धति व अन्य परम्परागत स्वरूपों को जीवतत्वाद **(एनिमेटिज्म)**[4] के सिद्धांत से जोड़ा जाता है। ब्रिटिश मानव शास्त्री **रॉबर्ट रानुल्फ मेरिट** का मत है कि जीवतत्ववादी शक्ति संबंधी धारणा **सर्वात्मावाद**[5] धारणा के समकक्ष है।

कुमाऊँनी समाज में अलौकिक शक्ति के रूप में अनेक स्थानीय देवी–देवताओं की अराधना जागर पद्धति द्वारा की जाती है, संबधित अलौकिक शक्ति के रूप में देवता व आत्मा व्यक्ति व उसके परिवार की समृद्धि व स्वास्थ के लिए लाभदायक होती है, जागर में मुख्य भूमिका गाथा गायक **'जगरिया'** (जगरिया उस व्यक्ति को कहा जाता है जो अदृश्य आत्मा को जागृत करता है) **डंगरिया** (वह व्यक्ति जिसके शरीर में देवता का अवतरण होता है) **तथा स्योंकार** (जिस घर में जागर लगाई जाती है) की रहती है। अलौकिक शक्ति के रूप में स्थानीय देवी–देवताओं पर जनमानस का इतना अधिक विश्वास रहता है कि उन्हें हर आधि–व्याधि की जड़ और उसकी दवा भी देवताओं में ही मिलती है। जिसके फलस्वरूप यहां देवत्व की संकल्पना एंव आस्था का स्वरूप **"एक लोक संस्कृति"** के रूप में पाया जाता है, जो कि ईश्वर के समान शक्तिमान, निराकार नहीं होता अपितु एक मानवीय रूप में निहित होता है, जिनकी अपनी विशिष्ट स्वरूप एंव भूमिकाओं के साथ–साथ अपनी भाषाएं भी होती है। और जो एक क्षेत्र विशेष में निवास करती है।

प्राचीन काल से ही समाज में इस प्रकार कि धारणा चली आ रही है कि अलौकिक शक्तियों को प्रसन्न रखकर ही मनुष्य ने सर्वप्रथम अपनी सामाजिक मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं कि पूर्ति की है, ताकि इन



Scanned with CamScanner

# शोध दिशा

ISSN 0975-735X

[illegible]

UGC APPROVED CARE LISTED JOURNAL

[illegible]

शोध अंक 59/3 जुलाई-सितंबर 2022 400.00 रुपए

[illegible]





Marketing with technology -Role of technology to change the market trends & behaviour of the consumer – A review study/ Dr. Shilpa Parihar 150

Love Beyond Limits: A Tale of A King And Half Queen of Amber/ Dr. Shilpi Dondwal 155

Academic and Profession Degree for Future Perspective/ Dr. Dinesh Kumar 159

Educational Challenges of Transgender/ Dr Pankaj Bala Srivastava 166

Urban Sprawl Variation and Economical Challenges and Innovations : A Case Study of Ahmedabad/ Vrinda Ojha, Dr Shital Shukla 175

A Study of Geo-Socio-Economic Environment of the Local Entrepreneurs Population of North-East District of Delhi/ Dr Raj Kumar Srivastava 181

From intellect to intuition: the purpose of Vedic education system and its relevance in modern education system : an analytical review/ Dr. Prativa Sree Swain, Anupriya Gupta 188

Manjula Padmanabhan's Play Lights Out: A Feminist Approach/ Dr. Deepak D. Doore 197

Globalization: International Impact, Causes and Concerns/ Dr. Ladhi Kaniz Fatma Niyaz Ahmed 202

Use of New Creative Teaching Strategies in Teaching for All-round Development of Students/ Dr. Minakshi Dayaram Mahale 207

Cultural importance of Saraswati as described in ancient Indian Literature/ Dr. Dilip Kumar Kushwaha, Prachi Ranga 213

Geographical Study of Land Use Efficiency in Nandurbar District/ R. K. Pawar, Dr. Vijay B. Kharate 220

Tribals: Equality, Diversity, Social Mobility In Industry : A Case Study Of Tata Steel/ Anjani Kishore Sahay, Dr Anupama Verma 224

Development of Instructional Program for Learning Disabilities/ Dr. Asha Thoke, Dr. Chandrakant Borse 232

Importance of Capacity Building Programs for Teacher Educators: A Conceptual Study/ Dr. Man Singh, Puja Tripathi, Tauseef Malik 238

A cognitive Semantic Analysis of Conceptual Metaphor in Atal Bihari Vajpayee's Poetry/ Dr. Neelam Yadav 245

Importance of Education in Hogwarts' Harry Potter Series/ Deepa Rani, Dr. Mudita Agnihotri 253

Pension scheme to improve the quality of life of weaker sections of Kumaon Division, Uttarakhand/ Dr. Reena Rani Mishra 258

A Study on Socio-economic characteristics of Rural Women of Uttarakhand/ Pooja Kohli, Dr. Priyanka N. Rawal 264

The Positive Impact of Social Media on the Students in India/ Arshi Khanam, Tekmal Sehmaraj 270




Scanned with CamScanner